सतयुगी राजायी पानी तो
याद और पवित्रता का बल भी ज़मा करो
सदा खुशी में रहो
बहुत-बहुत मीठा बनो
प्रेम से चलाओ सबको
पुरुषार्थ का यही लक्ष्य हो
श्रेष्ठ कर्म कर दुःख हर्ता- सुख कर्ता बनो
बाप की नॉलेज को स्मृति में रखो
सर्विस में सदा तत्त्पर रहो
रूहानी टीचर बन ज्ञान दान करो
परोपकारी ,संतुष्टमणि का वरदान प्राप्त करो
जब दिलशिक्स्त को शक्तिवान बना सको
प्रतिज्ञा याद रखो तो प्रत्यक्षता हो

मेरा बाबा!!!
ॐ शांति!!!